The Tribune, Sept 22, 2020

CONFERENCE ON SMART AGRICULTURE

The Centre of Excellence in Sustainable Technologies for Rural Development (CESTRD), Department of Biotechnology and Bioinformatics, Jaypee University of Information Technology (JUIT), Waknaghat, organised a virtual international conference on "Technologies for Environmental Sustainability and Smart Agriculture". About 80 participants from across the globe participated. Prof RK Sani, South Dakota School of Mines and Technology, spoke about microbial technologies in sustainable development of energy, environment, agriculture, and health. Dr Gunjan Ghodke from Donguk University, South Korea, and Dr Hasam Kamyab, University of Technology, Malaysia, put forth their views. An open discussion with eminent speakers and audience on latest research was also held.

जेपी विवि में माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी पर किया मंथन

धर्मशाला (वि.) : सोलन जिले के वाकनाघाट स्थित जेपी यूनिवर्सिटी में एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड स्मार्ट टेक्नोलॉजीज विषय पर 18 व 19 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय वेबिनार हुआ। इसका आयोजन सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज फॉर रूरल डेवलपमेंट, बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइनफॉरमैटिक्स डिपार्टमेंट ने किया। वेबिनार में विश्वभर से करीब 180 प्रतिभागी शामिल हुए।

कुलपति प्रो. विनोद कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया जबकि डीन अकादमिक प्रो. समीर देव गुप्ता और रजिस्ट्रार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) राकेश बस्सी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुधीर कुमार ने सत्रों से अवगत करवाया। पहले दिन के मुख्य वक्ता साउथ डकोटा स्कूल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अमेरिका से प्रो. आरके सानी थे। उन्होंने ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, और स्वास्थ्य के विकास में माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी के बारे में बात की। डोंगुक विश्वविद्यालय दक्षिण कोरिया के डॉ. गुंजन घोडके और मलेशिया के प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डॉ. हसाम काम्यब ने भी वक्तव्य दिए। दूसरे दिन के मुख्य वक्ता पर्यावरण अधिकारी पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन विभाग टाउनस्विले ऑस्ट्रेलिया डॉ. राजेश जलोटा ने पर्यावरणीय स्थिरता और भूमि बहाली पर बात की।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से प्रो. एसएस कंवर, वरिष्ठ विज्ञानी सीएसआइआर आइएचबीटी पालमपुर से डॉ. गौरव जिंटा, डोंगुक विश्वविद्यालय से डॉ. अबुजर अंसारी और अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान वाराणसी उत्तर प्रदेश से डॉ. स्वाति त्यागी ने भी विचार रखे। प्रो. सुधीर कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अभिषेक चौधरी, डॉ. राज कुमार, डॉ. रागिनी राज सिंह, डॉ. गीतांजलि, डॉ. हर्ष सोहल और और डॉ. आशीष कुमार आयोजक टीम में शामिल हुए।